राष्ट्रीय ग्रीवा कैंसर नियंत्राण कार्यक्रम को आकार देने की कवायद

द हिन्दू

पेपर- III (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी)

स्वास्थ्य का मसला शायद ही कभी एकल-आयामी होता है और इसे इस तरह से देखा भी नहीं जाना चाहिए। सरकारी नीति को, खासतौर से, इस मुद्दे को संपूर्णता में समझना चाहिए और इसके वांछित लक्ष्य को ज्यादा से ज्यादा हासिल करने के लिए, अपनी जमीनी रणनीति में विभिन्न पहलुओं को आत्मसात करना चाहिए। अंतरिम बजट पेश करने के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा किया गया यह एलान कि सरकार नौ से 14 वर्ष की लड़कियों को ग्रीवा कैंसर से बचाने के लिए टीकाकरण को प्रोत्साहित करने की योजना बना रही है, निस्संदेह सही दिशा में बढ़ाया गया एक कदम है। भले ही यह योजना चुनाव के बाद लागू की जाएगी, लेकिन अभी यह सवाल करने का भी समय है कि क्या ग्रीवा कैंसर से निपटने का कोई भी कार्यक्रम तभी संपूर्ण नहीं होगा जब इसमें जांच (स्क्रीनिंग) के पहलू को शामिल किया जाए। ग्रीवा (शाब्दिक रूप से, गर्भाशय की गर्दन) का कैंसर तमाम किस्म के कैंसरों में अनूठा है क्योंकि इसके लगभग सभी मामले (विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 99 फीसदी) मानव पैपिलोमावायरस (एचपीवी), जोकि यौन संपर्क से फैलने वाला एक आम वायरस है, के संक्रमण से जुड़े होते हैं। अधिकांश एचपीवी संक्रमण जहां स्वाभाविक तरीके से ठीक हो जाते हैं और महिलाएं लक्षण-मुक्त रहती हैं, वहीं लगातार संक्रमण से ग्रीवा कैंसर हो सकता है। यह भारत में कैंसर से होने वाली महिलाओं की मौतों (सालाना 77,000 से ज्यादा) की दूसरी सबसे अहम वजह है और अनुमान है कि 15 से 44 वर्ष के बीच की भारतीय महिलाओं में यह दूसरा सबसे ज्यादा होने वाला कैंसर है। अच्छी खबर जहां टीके की उपलब्धता पर आधारित है, वहीं गंभीर तथ्य यह है कि ग्रीवा कैंसर की जांच के राष्ट्रीय प्रसार का औसत महज दो फीसदी से नीचे है और जांच के नतीजे पता लगाने के चरण पर निर्भर होते हैं।

विडंबना यह है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था में न्यूनतम उपकरणों – मानव आंख, सफेद सिरके का पतला होना और लुगोल के आयोडीन की एक बूंद – के

सर्वाइकल कैंसर क्या है?

- सर्वाइकल कैंसर महिला के गर्भाशय ग्रीवा (cervix) में विकसित होता है। वैश्विक स्तर पर यह महिलाओं में होने वाला चौथा सबसे आम प्रकार का कैंसर है।
- सर्वाइकल कैंसर के लगभग सभी मामले (99%) उच्च जोखिमपूर्ण ह्यूमन पैपिलोमावायरस (HPV) के संक्रमण से जुड़े हैं, जो यौन संपर्क के माध्यम से फैलने वाला एक बेहद आम वायरस है।

भारत की स्थिति

- सर्वाइकल कैंसर भारत में महिलाओं में व्याप्त दूसरा सबसे आम कैंसर है, जो मुख्यत: मध्यम आयु वर्ग की महिलाओं को प्रभावित करता है।
- वर्ष 2022 में 1,23,907 नए मामलों और 77,348 मौतों के साथ भारत ने वैश्विक बोझ में पाँचवें भाग का योगदान किया।

सर्वावैक क्या है?

- 'सर्वावैक' (CERVAVAC) भारत का पहला स्वदेशी रूप से विकसित क्वाड्रिवेलेंट ह्यूमन पैपिलोमावायरस वैक्सीन है, जिसके बारे में कहा गया है कि यह वायरस के चार प्रकारों- टाइप 6, टाइप 11, टाइप 16 और टाइप 18 के विरुद्ध प्रभावी है।
- क्वाड्रिवेलेंट वैक्सीन एक ऐसा टीका है जो चार अलग-अलग एंटीजन, जैसे कि वे चार अलग-अलग वायरस या अन्य सूक्ष्मजीव हों, के विरुद्ध प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को उत्तेजित करने के रूप में कार्य करता है।
- यह हेपेटाइटिस-बी टीकाकरण की ही तरह VLP (Virus-Like Particles) पर आधारित है।
- केंद्र सरकार ने बजट 2024-25 में घोषणा की है कि देश में सरकार की तरफ से 9 से 14 साल की लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर का मुफ्त टीका लगाया जाएगा। बड़े पैमाने पर होने वाला यह टीकाकरण अभियान सर्वाइकल कैंसर को पूरी तरह खत्म करने की शुरुआत है।

साथ ग्रीवा कैंसर का आसानी से निदान किया जा सकता है। इन्हें वीआईए और वीआईएलआई परीक्षणों के रूप में जाना जाता है तथा कोशिका विज्ञान के तहत इस रोग के उन्नत चरण का पता लगाने से बहुत पहले कैंसर पूर्व घावों और कैंसर का पता लगाने में मदद मिलती है। असामान्य वृद्धि को नष्ट करने के लिए एक सरल व छोटी प्रक्रिया, क्रायोथेरेपी, रोगी के जागते हुए की जा सकती है। यह देखते हुए कि ग्रीवा कैंसर को रोकना, पहचानना और उसका इलाज करना आसान है, इतनी तादाद में महिलाओं का इस बीमारी से मरना निहायत ही अस्वीकार्य है। अब जबकि सरकार अपना टीकाकरण कार्यक्रम शुरू करने वाली है, उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर जांच भी अनिवार्य करनी चाहिए और अगर किसी भी किस्म की असामान्यता की पहचान होती है, तो रोगी को तुरंत क्रायोथेरेपी दी जानी चाहिए। इस बात की संभावना नहीं है कि अकेले युवा लड़कियों के टीकाकरण का अल्प और मध्यम अवधि में कोई दूरगामी असर होगा। इस बीमारी से होने वाली मौतों को रोकने का एकमात्र तरीका राष्ट्रीय ग्रीवा कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में इलाज की संपूर्ण श्रृंखला, जो उम्र, शिक्षा, सामर्थ्य या सामाजिक स्थिति से परे जाकर सभी महिलाओं के लिए सुलभ हो, को इस्तेमाल में लाना है।

प्रारंभिक परीक्षा के संभावित प्रश्न (Prelims Expected Question)

प्रश्न : सर्वाइकल कैंसर से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह कैंसर गर्भाशय ग्रीवा की कोशिकाओं में होता है।
2. यह रोग ह्यूमन पैपिलोमा वायरस के संक्रमण कारण होता है।
3. अभी हाल ही में सर्वाइकल कैंसर को खत्म करने के लिए स्वदेशी टीकाकरण कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की गई है।

उपरोक्त कथनों में से कितने कथन सत्य हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) सभी तीन (d) कोई भी नहीं

Que. Consider the following statements related to cervical cancer:

1. This cancer occurs in the cells of the cervix.
2. This disease is caused by infection with human papilloma virus.
3. Recently, it has been announced to start an indigenous vaccination program to eliminate cervical cancer.

How many of the above statements are true?

(a) Only 1 (b) Only 2
(c) All Three (d) None

उत्तर : C

मुख्य परीक्षा के संभावित प्रश्न व प्रारूप (Expected Question & Format)

प्रश्न: राष्ट्रीय ग्रीवा कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम का वर्तमान स्वरूप अपर्याप्त है और इसे और अधिक समावेशी और विस्तृत बनाना होगा। स्पष्ट करें।

उत्तर का दृष्टिकोण :

- उत्तर के पहले भाग में राष्ट्रीय ग्रीवा कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम के वर्तमान स्वरूप की चर्चा करें।
- दूसरे भाग में राष्ट्रीय ग्रीवा कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम के वर्तमान स्वरूप में मौजूद कमियां और आवश्यक सुधारों का उल्लेख करें।
- अंत में सुझाव देते हुए निष्कर्ष दें।

नोट : अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।